HDSE – Elective

सेमेस्टर-5

(5.3)

(क) हिंदी की मौखिक और लोकसाहित्य परंपरा

निर्देश : सैद्धांतिक बिंदुओं का सामान्य परिचय अपेक्षित है। लोकगीतों की प्रस्तुतियाँ और लोकनाट्य के प्रदर्शनों को सुनने-देखने का अवसर छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी होगा।

इकाई-1 : मौखिक साहित्य की अवधारणा : सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप - लोकगीत, लोककथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ-बुझौवल और मुहावरे हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक साहित्य और समाज।

इकाई-2 : लोकगीत : वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि।

सोहर भोजपुरी : भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी - बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पृष्ठ-8, गीत संख्या-4

सोहर अवधी – हिंदी प्रदेश के लोकगीत - कृष्ण देव उपाध्याय - पृष्ठ 110, 111 (साहित्य भवन, इलाहाबाद)

यज्ञोपवीत - भारतीय लोक-साहित्य; परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88-89

विवाह - भोजपुरी - भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116

ऋतुसंबंधी गीत : बारहमासा, होली, चैती, कजरी इत्यादि।

पाठ : हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 205
हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव, पृष्ठ 231
वाचिक कविता : भोजपुरी : पं. विद्यानिवास मिश्र, पृष्ठ 51

श्रमसंबंधी गीत : कटनी, जँतसर, दँवनी, रोपनी इत्यादि।

कटनी के गीत, अवधी 2 गीत - हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय पृष्ठ 134, 135

जंतसारी : भोजपुरी - भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140, 141

विविध गीत : घुघुति - कुमाउंनी : कविता कौमुदी : ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी, पृष्ठ 802, 803

इकाई-3 : **लोककथाए एवं लोकगाथाए** विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाओं एवं लोकगाथाओं आल्हा, लोरिक, सारंगा-सदावृक्ष, बिहुला
राजस्थानी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10, 11
सोलहवाँ भाग
मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462
अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

इकाई-4 : **लोकनाट्य :** विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला; रासलीला मालवा का नाच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला; बिहार-बिदेसिया; हरियाणा-सांग (क) पाठ : संक्षिप्त पद्मावत सांग रागिनी संख्या 1, 3, 6, 7, 8, 13, 14, 17, 18, 19, 28, 34, 37, 38, 43, 58, 60, 67. (लखमीचंद ग्रंथावली, सं. प्रो. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, (ख) बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

सहायक ग्रंथ

- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय
- हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य – शंकर लाल यादव
- मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी
- मालवी लोक-साहित्य का अध्ययन – श्याम परमार
- रसमंजरी - सुचिता रामदीन; महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस
- हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास – पं. राहुल सांकृत्यायन; सोलहवाँ भाग
- वाचिक कविता : भोजपुरी – पं. विद्यानिवास मिश्र
- भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
- कविता कौमुदी : ग्रामगीत – पं. रामनरेश त्रिपाठी
- लखमीचंद का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- सूत्रधार – संजीव
- हिन्दी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका - चौमासा
- चीनी लोककथाएँ – अनिल राय

अथवा

(ख) अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

इकाई-1 : विमशो की सैद्धांतिकी

(क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

(ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)
रैडिकल, मॉर्क्सवादी, उदारवादी आदि, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता

(ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन
जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

इकाई-2 : विमर्शमूलक कथा साहित्य :

1. ओमप्रकाश बाल्मीकि - सलाम,
2. हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या 158-167
3. नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

इकाई-3 : विमर्शमूलक कविता :

(क) दलित कविता : अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे), नगीना सिंह (कितनी व्यथा) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

(ख) स्त्री कविता : **1.** कीर्ति चौधरी : सीमा रेखा **2.** कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा **3.** सविता सिंह : 'मैं किसकी औरत हूँ?'

इकाई-4 : विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं :

1. प्रभा खेतान, पृष्ठ 28-42 : अन्या से अनन्या तक
2. तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ; पृष्ठ संख्या 125 से 135)
3. महादेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न'

सहायक ग्रंथ :

- सिमोन द बोउवा - स्त्री उपेक्षिता

- गुलामगीरी – ज्योतिबा फुले
- अंबेडकर रचनावली – भाग–1
- प्रभा खेतान – उपनिवेश में स्त्री
- स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा – सुधा सिंह
- मूक नायक, बहिष्कृत भारत – अंबेडकर
- शिकंजे का दर्द – सुशीला टांकभौरे
- जूठन – ओमप्रकाश बाल्मीकि
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – शरण कुमार लिंबाले
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश बाल्मीकि
- दलित आंदोलन का इतिहास – मोहनदास नैमिशराय
- नारीवादी राजनीति – जिनी निवेदिता
- हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ – रजत रानी 'मीनू'
- औरत होने की सजा – अरविंद जैन
- आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता

अथवा

(ग) भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत

इकाई-1 : नाटक की विधागत विशिष्टता, नाट्यतत्त्व (भारतीय एवं पाश्चात्य), नाटक और रंगमंच का अंत:संबंध, दृश्य और श्रव्य तत्त्वों का समायोजन तथा नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

इकाई-2 : रंगकर्म : नाटककार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्म, नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन-सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

इकाई-3 : पश्चिमी नाट्यभेद – त्रासदी, कामदी, मेलोड्रामा एवं फार्स (सामान्य परिचय), नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन-सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

इकाई-4 : प्राचीन भारतीय नाट्यरूप – रूपक, उपरूपक तथा इनके भेद (सामान्य परिचय), आधुनिक भारतीय नाट्यरूप – एकांकी, काव्य नाटक, रेडियो नाटक एवं नुक्कड़ नाटक, टेलीफिल्म और धारावाहिक (सामान्य परिचय)

सहायक ग्रंथ :

- रंगमंच – बलवंत गार्गी
- रंगमंच कला और दृष्टि – गोविंद चातक
- रंगदर्शन – नेमिचंद जैन
- रंगमंच देखना और जानना – लक्ष्मीनारायण लाल
- भरत और भारतीय नाट्यकला – सुरेंद्रनाथ दीक्षित
- नाट्यशास्त्र विश्वकोष – राधावल्लभ त्रिपाठी
- रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण
- रंग-स्थापत्य –एच.वी. शर्मा
- भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी

सेमेस्टर-5

(5.4)

(क) हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

इकाई-1 : भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा, महत्त्व, भाषा और व्याकरण का अंत:संबंध
- ध्वनि और वर्ण
- हिंदी की ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर, व्यंजन और मात्राएँ)

इकाई-2 : शब्द-विचार

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना एवं स्रोत के आधार पर)
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि) (केवल परिभाषा एवं भेद)
- शब्दों का रूपांतरण, शब्दगत अशुद्धियाँ
- शब्द-निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)

इकाई-3 : पद-विचार

- शब्द और पद में अंतर
- विकारी शब्दों की रूप-रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
- अविकारी शब्द (अव्यय)

इकाई-4 : वाक्य-विचार

- वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
- वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर)
- वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न)

- वाक्यगत अशुद्धियाँ

<u>सहायक ग्रंथ :</u>

- हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
- भारतीय पुरालिपि – डॉ. राजबलि पाण्डेय
- हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
- हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
- लिपि की कहानी – गुणाकर मुले
- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
- हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
- हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु
- हिंदी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी
- A Grammar of the Hindi Language – Kellog
- Hindi Linguistics – R.N. Shrivastava
- हिंदी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी
- हिंदी व्याकरण – एन.सी.ई.आर.टी.

अथवा

(ख) कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश

इकाई-1 : कोश परिचय

- अर्थ और परिभाषा
- उपयोगिता और महत्त्व
- हिंदी कोश के उपयोग के नियम
  (वर्णानुक्रम, स्वर की मात्राएँ, अनुस्वार एवं अनुनासिक, संयुक्त व्यंजन वर्ण)

इकाई-2 : कोश निर्माण

- शब्द संकलन एवं चयन
- प्रविष्टि (वर्तनी, क्रम, व्याकरणिक कोटि और स्रोत)
- शब्द का अर्थ एवं विस्तार
- शब्द प्रयुक्तियाँ

इकाई-3 : कोश के प्रकार

- कोश : वर्गीकरण के आधार
- विषय के आधार पर (भूगोल कोश, इतिहास कोश, मनोविज्ञान कोश आदि)
- भाषा के आधार पर (एकभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी)
- आकार के आधार पर (सामान्य और विश्वकोश)
- पारिभाषिक शब्दावली

इकाई-4 : प्रमुख कोशों का परिचय

- हिंदी-हिंदी शब्दकोश – बृहत् हिंदी शब्दकोश, ज्ञानमंडल
- अंग्रेज़ी-हिंदी शब्दकोश – फादर कामिल बुल्के
- हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश – भोलानाथ तिवारी और महेंद्र चतुर्वेदी
- विश्वकोश – हिंदी शब्दसागर – नागरी प्रचारिणी सभा
- ई-कोश

सहायक ग्रंथ :

- कोश विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
- हिंदी कोश रचना, प्रकार और रूप – रामचंद्र वर्मा
- हिंदी कोश साहित्य – अचलानंद जखमोला
- हिंदी शब्द सागर – नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग
- हिंदी साहिय कोश – धीरेंद्र वर्मा
- कोश विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग – राम आधार सिंह
- कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग – त्रिभुवननाथ शुक्ल
- Lexicography : An Introduction – Howarel Jackson
- भारत में कोश विज्ञान पर विशेष – गवेषणा; अंक 93; जनवरी-मार्च, 2009
- नवीन कोश बनाम प्राचीन कोश – पुष्पलता तनेजा; 'भाषा' हिंदी पत्रिका में लेख
- वेब पता
    - www.archive.org (hindishabdsagar)
    - www.britannika.com
    - www.e.vikipedia.org
    - www.encyclopedia.centre.com
    - www.culturepedia.com

अथवा

(ग) भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा

इकाई-1 : भारतीय अस्मिता का स्वरूप : भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक

भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता

विविधता में एकता के अंत:सूत्र : भाषा, संस्कृति और साहित्य का अंतस्संबंध

भारतीय साहित्य की संकल्पना, भारतीय साहित्य के आधार-तत्त्व

भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप

इकाई-2 : भारतीय साहित्य का परिचय

वैदिक साहित्य, लौकिक संस्कृत साहित्य

पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य

प्राचीन तमिल साहित्य

इकाई-3 : भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

आधुनिकता-पूर्व भारतीय साहित्य : तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम, मराठी, गुजराती, बांग्ला, उड़िया, असमिया, मणिपुरी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, हिंदी

इकाई-4 : भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

आधुनिक भारतीय साहित्य, भारतीय साहित्य के प्रमुख आंदोलन -भक्ति आंदोलन, नवजागरण एवं राष्ट्रीय आंदोलन, स्वाधीनता आंदोलन, स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य, उत्तर आधुनिक संदर्भ

सहायक ग्रंथ

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकर माचवे
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र
- भाषा, साहित्य और संस्कृति – संपा. विमलेशकांति वर्मा
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन
- मलयालम साहित्य का इतिहास – पी.के. परमेश्वरन नायर

- कन्नड़ साहित्य का इतिहास –एस. मुगली
- तमिल साहित्य का इतिहास – मु. वरदराजन
- साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
- उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी
- भारतीय साहित्य – दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
- भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन – गौरीशंकर पंड्या
- अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम – संपा. सतीश कुमार रोहरा
- भारतीय भाषा साहित्य – विभूति मिश्र

सेमेस्टर-6

(6.3)

(क) लोकनाट्य

इकाई-1 : लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और इतिहास

(प्रमुख रूपों का परिचय एवं पाठ) लोकनाट्य रामलीला, रासलीला, सांग, ख्याल, माच, बिदेसिया एवं नौटंकी – सुल्ताना डाकू

इकाई-2 : बिदेसिया – भिखारी ठाकुर

इकाई-3 : सांग – लखमीचंद

इकाई-4 : माच – गुरु बाल मुकुंद

सहायक ग्रंथ :

- हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, सोलहवाँ भाग
- वाचिक कविता : भोजपुरी – पं. विद्यानिवास मिश्र
- भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
- लखमीचंद का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- सूत्रधार – संजीव
- हिन्दी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मधयप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका - चौमासा
- हरियाणा की लोकनाट्य परम्परा

अथवा

(ख) हिन्दी की भाषिक विविधताएँ

इकाई-1 **(क)** वाचिक हिन्दी के क्षेत्रीय रूप - बिहारी, बम्बइया, कलकतिया, मद्रासी, पहाड़ी साहित्य, सिनेमा, नाटक और मीडिया में क्षेत्रीय हिन्दी का प्रयोग

(ख) साहित्यिक भाषा के रूप में हिन्दी की विविधता - आरम्भिक हिन्दी कविता (कबीर, अमीर खुसरो), दक्कनी हिन्दी, उर्दू शायरी और गद्य, आधुनिक साहित्यिक हिन्दी

इकाई-2 **(क)** कबीर – हमन हैं इश्क मस्ताना, अमीर खुसरो की मुकरियाँ

(ख) वली दकनी - किया मुझ इश्क ने जालिम कूँ आब आहिस्ता-आहिस्ता
कि आतिश गुल कूँ करती है गुलाब आहिस्ता-आहिस्ता

वफादारी ने दिलबर की बुझाया आतिश-ए-गम कूँ,
कि गर्मी दफ्अ करता है, गुलाब आहिस्ता-आहिस्ता

अजब कुछ लुत्फ रखता है शब-ए-खल्वित में गुलरू सूँ,
खिताब आहिस्ता-आहिस्ता, जवाब आहिस्ता-आहिस्ता

मेरे दिल कूँ किया बेखुद तेरी अंखियों ने आखरि कूँ,
कि ज्यूँ बेहोश करती है शराब आहिस्ता-आहिस्ता

हुआ तुझ इश्क सूँ ऐ आतिशीं रू दिल मिरा पानी,
कि ज्यूँ गलता है आतिश सूँ गुलाब आहिस्ता-आहिस्ता

अदा-ओ-नाज सूँ आता है वो रौशन जबीं घर सूँ,
कि ज्यूँ मश्रिक सूँ निकले आफताब आहिस्ता-आहिस्ता

'वली' मुझ दिल में आता है खयाल-ए-यार-ए- बेपरवाह,

कि ज्यूँ अंखियां में आता है ख्वाब आहिस्ता-आहिस्ता

इकाई-3 **(क)** बनारसीदास और अर्द्धकथानक

(ख) गालिब की शायरी और उनके खतूत

इकाई-4 **(क)** इंशा अंशा अल्ला खां - रानी केतकी की कहानी

(ख) फणीश्वरनाथ रेणु - पंचलैट

<u>सहायक ग्रंथ :</u>

- हिंदी भाषा – किशोरीदास वाजपेयी
- उर्दू का आरम्भिक युग – शम्सुर्रहमान फारुकी
- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
- उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी

अथवा

(ग) भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन

इकाई-1 – वाल्मीकि – 'सप्तपर्णा'; रामकाव्य का जन्म; पृष्ठ 115-119; में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद

– कालिदास – 'उत्तरमेघ'; नागार्जुन की चुनी हुई रचनाएँ; पृ. 345-349; छंद सं. 22 से 27, 37, 47; भगवतशरण उपाध्याय/नागार्जुन-कृत अनुवाद

– 'गाथा सप्तशती'; डॉ. हरिराम आचार्य; प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर;

प्रथम शतक; श्लोक सं. 4, 6, 33, 45, 49, 58, 77;

षष्ठ शतक; श्लोक सं. 30, 35, 38

इकाई-2 **(क)** नामदेव – साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित 'हिंदी ज्ञानेश्वरी' से, आलवार पद्य शंकरदेव की रचनाएँ

मध्यकालीन तेलुगु कवि वेमना – साहित्य अकादमी

(ख) लल द्यद – भाषा, साहित्य और संस्कृति – विमलेश कांति वर्मा

कश्मीरी साहित्य का इतिहास; पृ. 30-44; शशि शेखर तोशखानी; जे एण्ड के अकादमी ऑफ आर्ट कल्चर एण्ड लैंग्वेजेज़; नहर मार्ग, जम्मू; प्रथम संस्करण 1985;

- मुझ पर वे चाहे हंसें . . .
- गुरु ने मुझसे कहा . . .
- हम ही थे . . .
- पिया को खोजने . . .
- देव फिर पूजा कैसी . . .
- यह देवता भी पत्थर ही है . . .
- मैं सीधे पथ से ही आयी . . .

इकाई-3 **(क)** रवींद्रनाथ टैगोर गीतांजली के कुछ अंश साहित्य अकादमी के 'रवींद्र रचना संचयन' से; साहित्य अकादमी; प्रकाशन वर्ष, 1987; भारत तीर्थ, धूलि मंदिर; पृ. 131-135

(ख) सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ; साहित्य अकादमी; संस्करण 1983; 'स्वतंत्रता का गान' पृ. 46-47

(ग) वल्लतोल की कविताएँ; साहित्य अकादमी. संस्करण 1959; 'क्षमा प्रार्थना'; पृ. 82, 83, 84

इकाई-4 **(क)** उपन्यास-अंश : शिवाजी सावंत कृत 'मृत्युंजय'; संस्करण 39; वर्ष 2012; भारतीय ज्ञानपीठ; प्रथम खण्ड (कर्ण); पृ. 19-117

(ख) जीवनी-अंश : नारायण देसाई कृत 'अग्निकुंड में खिला गुलाब'; पृ. 95-107

(ग) नाटक : हयवदन; गिरीश कर्नाड; राधाकृष्ण प्रकाशन; संस्करण-1977; पृ. 17-73

(घ) कहानी : तक्शी शिवशंकर पिल्लै -खून का रिश्ता (मलयालम कहानियाँ) भारतीय शिखर कथा कोश, संपा. कमलेश्वर

सहायक ग्रंथ :

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकर माचवे
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र
- भाषा, साहित्य और संस्कृति – संपा. विमलेशकांति वर्मा
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन
- मलयालम साहित्य का इतिहास – पी.के. परमेश्वरन नायर
- कन्नड़ साहित्य का इतिहास – एस. मुगली
- तमिल साहित्य का इतिहास – मु. वरदराजन
- साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
- उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी
- भारतीय साहित्य – दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
- भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन – गौरीशंकर पंड्या
- अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम – संपा. सतीश कुमार रेहरा

सेमेस्टर-6

(6.4)

(क) शोध-Çविधि

इकाई-1

शोध प्रविधि - स्वरूप परिचय
शोध से अभिप्राय - स्वरूप एवं विशेषताएँ
हिंदी में शोध का आरंभ

इकाई-2

शोध के क्षेत्र
शोध के प्रकार
साहित्यिक शोध की विशेषताएँ

इकाई-3

शोध और विषय-चयन
शोध और तथ्य-विश्लेषण
शोध और निष्कर्ष

इकाई-4

शोध-संबंधी समस्याएँ
एक अच्छे शोधार्थी के गुण
हिंदी में शोध की दशा और दिशा

सहायक ग्रंथ

- अनुसंधान का स्वरूप - सावित्री सिन्हा
- अनुसंधान की प्रक्रिया - सावित्री सिन्हा/विजयेन्द्र स्नातक
- शोध प्रविधि - विनयमोहन शर्मा
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - मैनेजर पाण्डेय
- राइटिंग इन सोसाइटी - रेमंड विलियम्स
- संरचनात्मक शैली विज्ञान - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- सोशियोलॉजी ऑफ लिटरेचर - डायना लौरेंसन/एलेन स्विंगवुड

अथवा

(ख) अवधारणात्मक साहित्यिक पद

इकाई–1 : शब्द–शक्ति, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, अलंकार, छंद, उपमा, रूपक

इकाई–2 : रस और रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण, काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य, नाटक

इकाई–3 : शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, मानववाद, आलोचनात्मक यथार्थवाद, समाजवादी यथार्थवाद, जादुई यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर–संरचनावाद

इकाई–4 : विरेचन, त्रासदी, कल्पना, बिम्ब, प्रतीक, आधुनिकता और आधुनिकतावाद, उत्तर–आधुनिकता, निबंध, कहानी, उपन्यास

सहायक ग्रंथ :

- हिंदी आलोचना के बीज–शब्द – बच्चन सिंह
- हिंदी आलोचना कोश – अमरनाथ
- मानविकी पारिभाषिक शब्दकोश – संपा. डॉ. नगेंद्र
- लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ – जबरीमल्ल पारख
- की वर्ड्स – विलियम रेमण्ड
- ए डिक्शनरी ऑफ लिट्रेरी टर्म्स – जे.टी. शिप्ले
- रस–मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल
- पारिभाषिक कलाकोश – रूपनारायण माथम

अथवा

(ग) हिंदी रंगमंच

इकाई-1 (क) पारंपरिक रंगमंच
(रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, माच, ख्याल, स्वांग का सामान्य परिचय)

(ख) प्राचीन भारतीय प्रदर्शन-परंपरा और आधुनिक रंगमंच

इकाई-2 हिंदी रंगमंच की विकास-यात्रा
(क) स्वतंत्रतापूर्व : पारसी थिएटर, भारतेंदु युगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर तथा इप्टा

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच : रंग प्रशिक्षण एवं रंग गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली

रंगमंडल भारत भवन, भोपाल, भारतेंदु नाट्य अकादमी, लखनऊ

इकाई-3 आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध (स्टाइलाइड), यथार्थवादी, एब्सर्ड तथा लोक-शैली

इकाई-4 प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि : श्यामानंद जालान, सत्यदेव दुबे, इब्राहिम अल्काजी, ब.व. कारंत, हबीब तनवीर, लखमीचंद एवं भिखारी ठाकुर; किसी प्रस्तुति (हाल ही में प्रस्तुत) की रंगमंचीय समीक्षा

सहायक ग्रंथ :

- पारंपरिक भारतीय रंगमंच – कपिला वात्स्यायन
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर
- भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास – अज्ञात
- पारसी हिंदी रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
- नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री
- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
- समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच –नरेंद्र मोहन
- पहला रंग – देवेंद्र राज अंकुर

- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचंद जैन
- लखमीचंद का काव्य-वैभव –हरिचन्द्र बंधु
- भिखारी ठाकुर : भोजपुरी के भारतेंदु – भगवत प्रसाद द्विवेदी
- कंटेम्प्ररी इंडियन थिएटर : इंटरव्यू विद प्लेराइटर्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादमी
- थिएटर्स ऑव इंडिपेंडेंस – अपर्णा भार्गव धारवाड़कर